Nai Dunia (Indore), 16th December 2021, Page-05

प्रदेश के लिए तैयार कर रहे विज्ञान नीति

तैयारी • विज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 22 से, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव ने दी जानकारी

इंदौर, (नईदुनिया प्रतिनिधि)। विज्ञान विकास की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में प्रदेश में इस पर गंभीर चिंतन अच्छी बात है। एक वर्ष पहले हमने सोचा था कि विज्ञान नीति भी होना चाहिए। 18 फरवरी तक इस पर काम पूर्ण कर लिया जाएगा।

यह कहना है विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्रबुद्धे का। आइआइटी इंदौर में 22 से 25 दिसंबर को मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी देने के लिए बुधवार को आइआइटी इंदौर में कर्टन रेजर कार्यक्रम हुआ। इसमें जयंत सहस्रबुद्धे मौजूद थे। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन, आइआइटी इंदौर के प्रो. संतोष विश्वकर्मा और श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना ने सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी। आइआइटी इंदौर, विज्ञान भारती और मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद मिलकर यह सम्मेलन करा रहे हैं। इसमें 17 संगोष्ठी और तीन कान्क्लेव होंगे। आइआइटी इंदौर के अलावा शहर के 12 अन्य निजी विश्वविद्यालय और कालेज भी सम्मेलन के तहत अपने यहां संगोष्ठी आयोजित करेंगे।

एसजीएसआइटीएस में इन संस्थानों के रहेंगे स्टाल

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर)
- राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट)
- उद्योग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी)
- स्टार्टअप

इन विषयों पर होंगे कान्क्लेव

- अक्षय ऊर्जा
- फैबलेस एंड फैब सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

इन विषयों पर होंगी संगोष्ठियां

- विज्ञान नीति और प्रशासन
- भारतीय ज्ञान परंपरा
- कृषि प्रौद्योगिकी, जैव विविधता संरक्षण एवं पारंपरिक ज्ञान
- संपोषणीय जीवन ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण
- खगोल विज्ञान
- विज्ञान शिक्षा
- उद्योग-शैक्षणिक संस्थान संगोष्ठी एवं करियर के अवसर
- अन्वेषण, नवाचार एवं स्टार्टअप
- कापीराइट, ट्रेडमार्क, बौद्धिक संपदा का अधिकार
- मध्यप्रदेश विज्ञान पर्यटन
- पारंपरिक एवं आधुनिक चिकित्सा
- नवीनतम प्रौद्योगिकी
- प्रदेश के वैश्विक वैज्ञानिक, टेक्नोक्रेट एवं चिकित्सक सत्र

विज्ञान के साथ संगीत और खेल विषय भी जोड़ रहे

सहस्रबुद्धे का कहना है कि विज्ञान क्षेत्र में जो कार्य चल रहा है, उसके संकलन के लिए मंच होना चाहिए। मध्यप्रदेश विज्ञान सम्मेलन भी इसी मकसद से किया जा रहा है। विज्ञान भारती का प्रयास रहता है कि राज्य स्तर कार्यक्रम आयोजित होते रहे। जनवरी में गुजरात में विज्ञान सम्मेलन होगा। कर्नाटक में भी इसका आयोजन किया जा रहा है और आश्चर्य की बात है कि वहां कन्नड़ भाषा में 450 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। जब तक विज्ञान का समाज से जुड़ाव नहीं होगा, तब तक विज्ञान को आगे बढ़ाना मुश्किल है। विज्ञान भारती का यह पहला प्रयास नहीं है जब विभिन्न विषयों को सम्मेलन में शामिल किया जा रहा है। विज्ञान के साथ संगीत और खेल जैसे विषयों को भी जोड़ा जा चुका है। खेल विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय खोलने के लिए भी केंद्र सरकार काम कर रही है। आइआइटी जैसे संस्थानों में खेल तकनीकी के बारे में ज्यादा कुछ दिखाई नहीं देता है, उम्मीद है कि भविष्य में सभी संस्थान इस तरह के रोचक विषयों पर भी शिक्षा प्रदान करें।